सही जानकारी है टीबी का समाधान

टीबी को फैलने से रोकने के लिए मरीज़ हमेशा रुमाल से मुंह ढक कर खांसें और छींकें.

इधर उधर न थूकें.

लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह लेकर जांच करवाएं.

टीबी के इलाज के दौरान बीमारी से लड़ने की शक्ति के लिए स्वस्थ आहार लें.

टीबी के लिए स्वस्थ आहार: दालें, अनाज, दूध और दूध से बने पदार्थ, तेल और घी, रोटी, चावल, मूंगफली, अमरूद और केले जैसे फल, आदि.

निक्षय पोषण योजना

निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत भारत सरकार टीबी मरीज़ों को स्वस्थ आहार के लिए **₹500** प्रति माह का आर्थिक प्रोत्साहन देती है. यह सहायता उपचार पूरा होने तक जारी रहती है.

इस योजना का लाभ लेने के लिए मरीज़ का भारत सरकार की **निक्षय** योजना का सदस्य होना अनिवार्य है. **निक्षय** का सदस्य होने के नीचे लिखी पूरी जानकारी अपने डॉक्टर / जीत टीम को उपलब्ध कराएं.

इस योजना का लाभ लेने के लिए कृपया नीचे दी गयी जानकारी उपलब्ध कराएँ:

- **मरीज़ का नाम और फ़ोन नंबर**
- **मरीज़ का बैंक अकाउंट नंबर**
- **बैंक का नाम, बैंक का पता**
- **बैंक का IFSC कोड**

वेरिफिकेशन के लिए अपनी बैंक पासबुक अवश्य दिखाएं.

बैंक पासबुक और आधार कार्ड (या कोई और ID प्रूफ) की फोटोकॉपी

जनहित में जारी

Joint Effort for Elimination of Tuberculosis

टीबी को बेहतर जानें

जनहित में जारी

Joint Effort for Elimination of Tuberculosis

क्या है टीबी की बीमारी?

टीबी बैक्टेरिया से फैलने वाला संक्रामक रोग है जिसका शिकार कोई भी हो सकता है. टीबी के रोगाणु मरीज के खांसने या छींकने से हवा में मिल जाते हैं और दूसरों को संक्रमित कर सकते हैं. घबराइए नहीं, टीबी से बचा भी जा सकता है और टीबी को हराया भी जा सकता है. टीबी के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें.

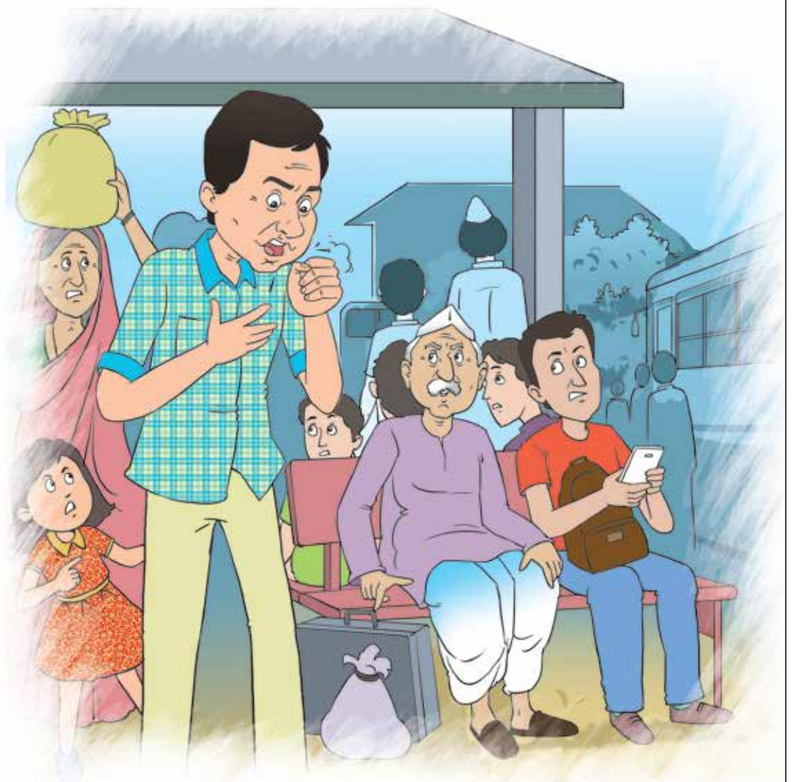

टीबी के प्रमुख लक्षण

2 हफ्ते से अधिक खांसी.

खांसते हुए मुंह से खून आना.

बुखार होना.

वजन कम होना.

खांसी के साथ बलगम आना.

भूख कम होना.

टीबी के जांच में देरी न करें

टीबी की जांच के लिए डॉक्टर से संपर्क करें. बलगम की जांच से टीबी का पता लगाया जा सकता है. ध्यान रहे, सही जांच के लिए ठीक से खांस के बलगम दें, थूक नहीं.

टीबी का इलाज

टीबी का इलाज हो सकता है. दवा 6 से 8 महीने या अधिक समय तक लगातार चलती है.

दवा जितने समय तक कहा जाए उतने समय तक पूरी लें. डॉक्टर की सलाह पर ही दवा बंद करें.

इलाज बीच में छोड़ने से या दवा अनियमित रूप से लेने से टीबी लाइलाज और जानलेवा हो सकता है.

इलाज के दौरान ध्यान रखें

टीबी के इलाज के दौरान तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, शराब जैसी किसी भी नशीली वस्तु से परहेज़ करें.

टीबी की दवाई लेने पर कुछ प्रभाव हो सकते हैं जैसे कि जी मिचलाना, उल्टी आना, पेशाब-लार-आंसुओं का रंग नारंगी या लाल होना, पेट दर्द होना. इनसे घबरायें नहीं. तकलीफ़ बढ़ने पर डॉक्टर की सलाह लें लेकिन अपने आप दवा बंद न करें.